PHILOSOPHY

दर्शनशास्त्र

PAPER—III

प्रश्न-पत्र—III

NOTE: This paper is of two hundred (200) marks containing four (4) sections. Candidates are required to attempt the questions contained in these sections according to the detailed instructions given therein.

नोट : यह प्रश्नपत्र दो सौ (200) अंकों का है एवं इसमें चार (4) खंड हैं। अभ्यर्थियों को इन में समाहित प्रश्नों का उत्तर अलग दिये गये विस्तृत निर्देशों के अनुसार देना है।

www.examrace.com

SECTION - I

खंड – I

NOTE: This section contains five (5) questions based on the following paragraph. Each question should be answered in about thirty (30) words and each carries five (5) marks.

(5x5=25 Marks)

नोट : इस खंड में निम्नलिखित अनुच्छेद पर आधारित पाँच (5) प्रश्न हैं। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग तीस (30) शब्दों में अपेक्षित है। प्रत्येक प्रश्न पाँच (5) अंको का है।

(5x5=25 अंक)

It is as wrong to destroy caste because of the outcastes as it would be to destroy a body because of an ugly growth in it or of a crop because of the weeds. The outcasteness, in the sense we understand it, has therefore to be destroyed altogether. It is an excess to be removed, if the whole system is not to perish. Untouchability is the product, therefore, not of the caste system, but of the distinction of high and low that has crept into Hinduism and is corroding it. The attack on untouchability is thus an attack upon this 'high - and - low-ness. The moment untouchability goes, the caste system itself will be purified, that is to say, according to my dream, it will resolve itself into the true <u>Varnadharma</u>, the four divisions of society, each complementary of the other and none inferior or superior to any other, each as necessary for the whole body of Humanism as any other.

- Mahatma Gandhi

किसी शरीर को [illegible] के कारण नष्ट करने या खर पतवार के कारण फसल को नष्ट करने के समान ही अस्पृश्यता के कारण जातिव्यवस्था को भी नष्ट करना गलत है। इसलिये अस्पृश्यता को अपनी समझ को हमें पूर्णतः नष्ट करना होगा। पूरी व्यवस्था को नष्ट होने से बचाने के लिये हमें इस अतिरेकता को समाप्त करना होगा। अतः अस्पृश्यता जाति व्यवस्था की उपज न होकर हिन्दू धर्म में फैली हुई उच्च और नीच में भेद की उपज है। यह हिन्दू धर्म को नष्ट कर रहा है। अस्पृश्यता पर यह आक्रमण वस्तुतः उच्च और नीच पर है। अस्पृश्यता के समाप्त होते ही जाति व्यवस्था शुद्ध हो जायेगी, अर्थात् मेरे स्वप्नानुसार वह स्वयं को शुद्ध वर्णधर्म में परिवर्तित कर लेगी। इस वर्णधर्म में अपने आप में पूर्ण समाज के चार वर्ग बन जायेंगे। प्रत्येक वर्ग दूसरे का पूरक होगा और कोई भी वर्ग किसी अन्य वर्ग से न तो हीन होगा न श्रेष्ठ। हिन्दू धर्म की सम्पूर्णता के लिए प्रत्येक धर्म, अन्य वर्गों की तरह ही आवश्यक होगा।

– महात्मा गाँधी

www.examrace.com

1. Why is it wrong to destroy caste ?
जाति व्यवस्था को नष्ट करना क्यों गलत है ?

2. What, if at all needs to be destroyed, according to Gandhi ?
यदि आवश्यक है, तो किसे नष्ट करने की आवश्यकता, गाँधी के अनुसार है ?

www.examrace.com

3. What is eroding Hinduism ?

हिन्दू धर्म का क्षरण किस कारण से हो रहा है ?

4. How is the caste system to be purified ?

जाति व्यवस्था को शुद्ध कैसे किया जा सकता है ?

www.examrace.com

5. What according to Gandhi is the ideal of Varnadharma ?

गाँधी के अनुसार वर्णधर्म का आदर्श क्या है ?

SECTION - II

खंड – II

NOTE: This section contains fifteen (15) questions each to be answered in about thirty (30) words. Each question carries five (5) marks.

(5x15=75 Marks)

नोट : इस खंड में पाँच (5) अंकों के पंद्रह (15) प्रश्न हैं। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग तीस (30) शब्दों में अपेक्षित है।

(5x15=75 अंक)

www.examrace.com

6. Distinguish between <u>Vyāvahārika</u> and <u>Pārmārthika</u> <u>satta</u> :

व्यावहारिक एवं पारमार्थिक सत् में भेद बताइये।

7. Define Substance :

द्रव्य की परिभाषा कीजिये।

www.examrace.com

8. What is <u>Pramā</u> ?

प्रमा क्या है ?

9. Explain the correspondence theory of truth.

सत्य के अनुरूपता सिद्धान्त की व्याख्या कीजिए।

www.examrace.com

10. Explain the Nyāya concept of Perception.
प्रत्यक्ष की न्याय सम्बन्धी अवधारणा की व्याख्या कीजिये।

11. What is svadharma according to the Gītā ?
गीता के अनुसार स्वधर्म क्या है ?

www.examrace.com

12. Define Good ?

शुभ की परिभाषा कीजिये।

13. Explain hedonistic calculus.

सुखवादी परिगणना के सिद्धान्त की व्याख्या कीजिये।

www.examrace.com

14. Explain the Law of Contradiction.

व्याघात के नियम की व्याख्या कीजिये।

15. What is decision procedure ?

निर्णय-विधि क्या है ?

www.examrace.com

16. What is Sāmānya ?

सामान्य क्या है ?

17. What is scepticism ?

संशयवाद क्या है ?

www.examrace.com

18. What is Vyāpti ?

व्याप्ति क्या है ?

19. State the retributive theory of punishment.

दण्ड का प्रतिकारात्मक सिद्धान्त क्या है ?

www.examrace.com

20. Define Categorical propositions.

निरूपाधिक प्रतिज्ञप्ति को परिभाषा कीजिये।

www.examrace.com

SECTION - III

खण्ड — III

NOTE : This section contains five (5) questions from each of the electives / specialisations. The candidate has to choose only one elective / specialisation and answer all the five questions from it. Each question carries twelve (12) marks and is to be answered in about two hundred (200) words.

(12x5=60 Marks)

नोट : इस खण्ड में प्रत्येक ऐच्छिक इकाई/विशेषज्ञता से पाँच (5) प्रश्न हैं। अभ्यर्थी को केवल एक ऐच्छिक इकाई/विशेषज्ञता को चुनकर उसी में से पाँचों प्रश्नों का उत्तर देना है। प्रत्येक प्रश्न बारह (12) अंकों का है व उसका उत्तर लगभग दो सौ (200) शब्दों में अपेक्षित है।

(12x5=60 अंक)

Elective - I

विकल्प — I

21. What is Nirvāna ? What are the means to attain it ? Explain.

निर्वाण क्या है ? इसे प्राप्त करने के साधन क्या हैं ? व्याख्या कीजिये।

22. Can there be a religion without God ? Discuss.
क्या ईश्वर के बिना एक धर्म हो सकता है ? विवेचन कीजिये।

23. How does inter and intra-religious dialogue pave the way to Unity of Religions ? Discuss.
एक धर्म के अन्तर्गत और दूसरे धर्मों में धार्मिक संवाद किस प्रकार धर्मों की एकता का मार्ग प्रशस्त करता है ? विवेचन कीजिए।

24. Describe various modes of understanding the divine.
दिव्य सत्ता को समझने के विभिन्न प्रकारों का वर्णन कीजिये।

25. Elucidate the nature of religious language.
धार्मिक भाषा के स्वरूप का प्रतिपादन कीजिये।

OR / अथवा

Elective - I

विकल्प – I

21. Discuss Wittgenstein's picture theory.
विट्गेंस्टाइन के चित्रण सिद्धान्त की व्याख्या कीजिये।

22. Explain Russell's theory of definite descriptions.
रसेल के निश्चित वर्णन सिद्धान्त की व्याख्या कीजिए।

23. Distinguish between constative and performative utterances.
निश्चित एवं सम्पादनार्थक उच्चारणों में भेद कीजिए।

24. Explain Austin's theory of speech acts.
ऑस्टिन के भाषा क्रिया सिद्धान्त की व्याख्या कीजिए।

25. Discuss the role of singular terms in a theory of meaning.
अर्थ-सिद्धान्त में एकवचन पद की भूमिका की व्याख्या कीजिए।

OR / अथवा

www.examrace.com

Elective - III

विकल्प – III

21. Examine the main tenets of Husserl's Phenomenology.
हुसरेल के संवृत्ति शास्त्र के मुख्य सिद्धान्तों की विवेचना कीजिए।

22. Discuss the role of death (tod) and anxiety in Dasein's authentic life.
डाज़ाईन के प्रामाणिक जीवन में दुश्चिंता और मृत्यु की भूमिका की व्याख्या कीजिए।

23. How does the existentialist distinguish between 'essence' and 'existence' ? Explain
अस्तित्ववादी किस प्रकार 'सार' और अस्तित्व में भेद करता है ? व्याख्या कीजिए।

24. Discuss the role of harmeneutics in Philosophy.
दर्शन में श्रुत्यर्थपर्यालोचना की भूमिका का विवेचन कीजिए।

25. How does Phenomenology help us in the understanding of human condition ?
मानवीय परिस्थितियों को समझने में संवृत्ति शास्त्र हमारी सहायता कैसे करता है ?

OR / अथवा

Elective - IV

विकल्प – IV

21. Of the many theories of Causation in Vedānta schools, which is most satisfactory ? Justify.
वेदान्त के विभिन्न सम्प्रदायों के अन्तर्गत कारणता के विभिन्न सिद्धान्तों में सर्वाधिक सन्तोषजनक कौन है ? युक्तिपूर्वक विवेचन कीजिये।

22. How does Ramanuja explain <u>tat</u> - <u>tvam</u> - <u>asi</u> ? Discuss.
रामानुज तत्वमसि की व्याख्या कैसे करते हैं ? विवेचन कीजिये।

23. What is the role of <u>Bhakti</u> in the Advaita Vedānta ? Discuss.
अद्वैत वेदान्त में भक्ति की क्या भूमिका है ? विवेचन कीजिये।

24. Write a critical note on Vrittijñana and Swarupajñan.
वृत्तिज्ञान एवं स्वरूपज्ञान पर एक आलोचनात्मक टिप्पणी लिखिये।

25. How does Madhva explain Bhakti ? Discuss.
मध्व भक्ति की व्याख्या कैसे करते हैं ? विवेचन कीजिये।

OR / अथवा

www.examrace.com

Elective - V

विकल्प – V

21. Why did Gandhi regard Truth as God ? Elucidate.

गाँधीजी ने सत्य को ईश्वर क्यों माना ? व्याख्या कीजिए।

22. What is <u>Anasaktiyoga</u> ? Is it the same as <u>Nishkama</u> - **<u>Karmāyoga</u>** ? Discuss.

अनासक्ति योग क्या है ? क्या यह निष्काम कर्मयोग के समान है ? व्याख्या कीजिए।

23. What is <u>Sarvodaya</u> ? Will it lead to Rāmrāj ? Discuss.

सर्वोदय क्या है ? क्या यह रामराज्य की ओर ले जाएगा ? व्याख्या कीजिए।

24. Distinguish between <u>Satyāgraha</u> and <u>Durāgraha</u>. In what way does <u>Satyāgraha</u> help in bringing Social change ? Discuss

सत्याग्रह और दुराग्रह में भेद कीजिए। सामाजिक परिवर्तन में सत्याग्रह कैसे सहायक होता है ? व्याख्या कीजिए।

25. Discuss the contribution of Vinoba Bhave to the Gandhian thought.

गाँधीवाद को विनोबा भावे के योगदान का विवेचन कीजिए।

www.examrace.com

SECTION - IV

खंड—IV

NOTE: This section consists of one essay type question of forty (40) marks to be answered in about one thousand (1000) words on any of the following topics.

(40x1=40 Marks)

नोट : इस खंड में एक चालीस (40) अंकों का निबन्धात्मक प्रश्न है जिसका उत्तर निम्नलिखित विषयों में से केवल एक पर, लगभग एक हजार (1000) शब्दों में अपेक्षित है।

(40x1=40 अंक)

26. Can there be religion without morality ? Discuss.

क्या नैतिकता विहीन धर्म हो सकता है ? व्याख्या कीजिए।

OR / अथवा

Can Gandhian methods be applied in the contemporary world ? Discuss.

क्या समकालीन जगत् में गाँधीजी द्वारा प्रतिपादित विधियाँ प्रयुक्त की जा सकती हैं ? विवेचन कीजिए।

OR / अथवा

"Philosophy teaches us how to make bread, but it does not teach us how to earn it". Discuss.

"दर्शन हमें खाना बनाने की विधियाँ तो बताता है किन्तु खाना कैसे अर्जित किया जाता है यह नहीं बताता "। विवेचन कीजिए।

OR / अथवा

Is <u>Ashrama</u> - vyavastha relevant in the modern world ? Discuss.

क्या समकालीन जगत् में आश्रम-व्यवस्था प्रासंगिक है ? विवेचन कीजिए।

OR / अथवा

"Any proof for the existence of God is irrelevant for a believer and meaningless for a non - believer". Discuss.

"ईश्वर की सत्ता सिद्ध करने के लिए दी गई युक्ति ईश्वरवादी के लिए अप्रासंगिक है और निरीश्वरवादी के लिए अर्थहीन"। विवेचन कीजिए।

www.examrace.com

FOR OFFICE USE ONLY							
Marks Obtained							
Question Number	Marks Obtained	Question Number	Marks Obtained	Question Number	Marks Obtained	Question Number	Marks Obtained
1		26		51		76	
2		27		52		77	
3		28		53		78	
4		29		54		79	
5		30		55		80	
6		31		56		81	
7		32		57		82	
8		33		58		83	
9		34		59		84	
10		35		60		85	
11		36		61		86	
12		37		62		87	
13		38		63		88	
14		39		64		89	
15		40		65		90	
16		41		66		91	
17		42		67		92	
18		43		68		93	
19		44		69		94	
20		45		70		95	
21		46		71		96	
22		47		72		97	
23		48		73		98	
24		49		74		99	
25		50		75		100	

Total Marks Obtained (in words) ....

(in figures) ....

Signature & Name of the Coordinator ....

(Evaluation) Date ....

www.examrace.com